TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 220
दि. 11.12.2025,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

'अपने नागरिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करना हमारा साझा कर्तव्य है': राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मानवाधिकार दिवस समारोह में शामिल हुईं

"सर्व-जन मानवाधिकार अलग नहीं किए जा सकते और वे एक न्यायपूर्ण, समतावादी और करुणामय समाज की आधारशिला हैं": राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज (10 दिसंबर, 2025) नई दिल्ली में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मानवाधिकार दिवस समारोह में शामिल हुईं और उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि मानवाधिकार दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सर्व-जन मानवाधिकार अलग नहीं किए जा सकते हैं और वे एक न्यायपूर्ण, समतावादी और करुणामय समाज की आधारशिला हैं। सतहत्तर वर्ष पहले, विश्व एक सरल लेकिन क्रांतिकारी सत्य को व्यक्त करने के लिए एकजुट हुआ था कि प्रत्येक मनुष्य गरिमा और अधिकारों में स्वतंत्र और समान पैदा होता है। मानवाधिकारों के वैश्विक ढांचे को आकार देने में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने मानवीय गरिमा, समानता और न्याय पर आधारित विश्व की कल्पना की थी।

राष्ट्रपति ने अंत्योदय दर्शन के अनुरूप, वंचित लोगों सहित सभी के मानवाधिकारों की गारंटी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में राष्ट्र के विकास पथ में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। तभी विकास को सही मायने में समावेशी कहा जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मानवाधिकार हमारे संविधान की परिकल्पना में निहित हैं। मानवाधिकार सामाजिक लोकतंत्र को बढ़ावा देते हैं। मानवाधिकारों में भयमुक्त जीवन जीने का अधिकार, बाधाओं के बिना शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार, शोषण मुक्त होकर काम करने का अधिकार और गरिमापूर्ण तरीके से वृद्धावस्था गुजारने का अधिकार शामिल है। हमने विश्व को यह याद दिलाया है कि मानवाधिकारों को विकास से अलग नहीं किया जा सकता। साथ ही, भारत ने हमेशा इस चिरस्थायी सत्य का पालन किया है: 'न्याय के बिना शांति नहीं और शांति के बिना न्याय नहीं।'

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग,

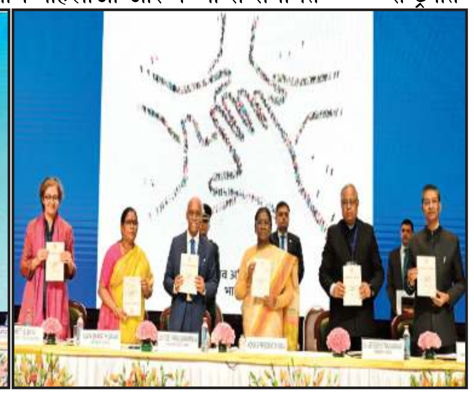

न्यायपालिका और नागरिक समाज, सभी ने मिलकर हमारे संवैधानिक विवेक के सतर्क प्रहरी के रूप में कार्य किया है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों से संबंधित कई मुद्दों का स्वतः संज्ञान लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि मानवाधिकार आयोग ने इस वर्ष अपने स्थापना दिवस समारोह के दौरान कैदियों के मानवाधिकारों के विषय पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन चर्चाओं से उपयोगी परिणाम प्राप्त होंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण और उनका कल्याण मानवाधिकारों के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सार्वजनिक स्थानों और कार्यस्थलों में महिलाओं की सुरक्षा पर एक सम्मेलन का आयोजन किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलनों से प्राप्त निष्कर्ष महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) राज्य और समाज के कुछ आदर्शों को साकार रूप देता है। भारत सरकार इन आदर्शों को अभूतपूर्व पैमाने पर क्रियान्वित कर रही है। पिछले एक दशक में हमने अपने राष्ट्र को एक अलग दृष्टिकोण अपनाते हुए देखा है - विशेषाधिकार से सशक्तिकरण की ओर और दान से अधिकारों की ओर। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि स्वच्छ जल, बिजली, खाना पकाने की गैस, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग सेवाएं, शिक्षा और बेहतर स्वच्छता जैसी दैनिक आवश्यक सेवाएं सभी को उपलब्ध हों। इससे प्रत्येक परिवार का उत्थान होता है और उनकी गरिमा सुनिश्चित होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हाल ही में सरकार ने वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थितियों से संबंधित चार श्रम संहिताओं के माध्यम से एक महत्वपूर्ण सुधार को लागू करने की अधिसूचना जारी की है। यह क्रांतिकारी बदलाव भविष्य के लिए तैयार कार्यबल और अधिक सुदृढ़ उद्योगों की नींव रखता है।

राष्ट्रपति ने प्रत्येक नागरिक से यह समझने का आह्वान किया कि मानवाधिकार केवल सरकारों, एनएचआरसी, नागरिक समाज संगठनों और ऐसे अन्य संस्थानों की जिम्मेदारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अपने नागरिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करना एक साझा कर्तव्य है। एक दयालु और जिम्मेदार समाज के सदस्य के रूप में यह कर्तव्य हम सबका है।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, गाजा शांति पर बड़ा अपडेट... प्रधानमंत्री मोदी ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू से फोन पर की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फोन पर अहम बातचीत की। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने का संकल्प लिया।

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने आज फोन पर अहम बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत और इजराइल के बीच रणनीतिक साझेदारी में हो रही प्रगति पर खुशी जताई। दोनों देशों ने अपने आपसी रिश्तों को और मजबूत करने का वादा किया। दोनों ने आतंकवाद की कड़ी निंदा की और कहा कि वे किसी भी तरह के आतंकवाद को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने पश्चिम

एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी बात की।

पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति और न्याय के प्रयासों के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की, जिसमें गाजा शांति योजना को जल्द से जल्द लागू करना भी शामिल है। दोनों नेता आगे भी संपर्क में रहने पर सहमत हुए। यह बातचीत दोनों देशों के बीच बढ़ते रिश्तों को दिखाती है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की बात कही। उन्होंने साफ कहा कि वे किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश है जो दुनिया को भेजा गया है।

एक-दूसरे के संपर्क में रहने का फैसला

इसके अलावा, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में चल रही घटनाओं पर भी अपने विचार साझा किए। पीएम मोदी ने इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों का समर्थन किया। उन्होंने खास तौर पर गाजा शांति योजना को जल्द से जल्द लागू करने की बात कही। यह दिखाता है कि भारत शांतिपूर्ण समाधान चाहता है और इस दिशा में सक्रिय है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भविष्य में भी एक-दूसरे के संपर्क में रहने का फैसला किया।

सीएम ने गोरखपुर में दो रैन बसेरों का किया निरीक्षण, बोले- जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने को सरकार प्रतिबद्ध

गोरखपुर (जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में रेलवे स्टेशन व झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। वहां ठहरे लोगों से आत्मीय संवाद किया और स्वयं कंबल-भोजन वितरित किया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति खुले में न सोए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हर जरूरतमंद को शीतलहर से बचाने और सम्मानजनक आश्रय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इसके लिए जहां रैन बसेरों को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जा रहा है, वहीं तहसीलों और नगर निकायों को जरूरतमंदों में ऊनी वस्त्र एवं कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई गई है।

सीएम योगी बुधवार देर शाम/रात गोरखपुर महानगर में दो रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर जरूरतमंद को रैन बसेरों में अच्छी सुविधा दी जाए। प्रशासन को इसे प्राथमिकता पर लेते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी रैन बसेरों में पर्याप्त संख्या में बिस्तर व कंबल का इंतजाम हो। साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही यदि किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो

उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए।

मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन के पास, तथा झूलेलाल मंदिर के पास बने रैन बसेरों का निरीक्षण कर तथा वहां ठहरे लोगों से बातचीत कर उपलब्ध सुविधाओं की पड़ताल की। रैन बसेरों में मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशन के पास रैन बसेरे के बाहर भी सैकड़ो जरूरतमंद लोगों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा को प्रतिबद्ध है।

रैन बसेरों में ठहरे लोगों से मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय संवाद

सीएम योगी ने रैन बसेरों में ठहरे सभी लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ उनसे आत्मीय संवाद भी किया। रैन बसेरों में देवरिया, कुशीनगर, बलिया, गगहा, चौरीचौरा समेत पूर्वांचल के अलग अलग क्षेत्रों के नागरिकों के अलावा बिहार से आए लोग भी ठहरे थे। कोई परीक्षा के सिलसिले में आया था, कोई डॉक्टर को दिखाने के लिए तो कोई काम की तलाश या फिर किसी अन्य कार्य से गोरखपुर आया था। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं। सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कुशलक्षेम और जरूरतों के बारे में पूछे जाने पर रैन बसेरों में ठहरे लोग भाव विह्वल हो गए। उन्हें सहसा यकीन नहीं हो रहा था कि उनके ठहरने और भोजन की जानकारी लेने खुद मुख्यमंत्री उनके पास आए हैं।

रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीषण शीतलहर से आमजनमानस के बचाव के लिए शासन और प्रशासन संवेदनशील है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति 11 से 12 दिसंबर तक मणिपुर का दौरा करेंगी

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 11 और 12 दिसंबर, 2025 को मणिपुर का दौरा करेंगी। 11 दिसंबर को मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुंचने पर राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। इसके बाद वे ऐतिहासिक मापल कांगजेइबुंग में पोलो प्रदर्शनी मैच देखने जाएंगी। उसी शाम, मणिपुर सरकार की ओर से इम्फाल के सिटी कन्वेंशन सेंटर में उनके सम्मान में आयोजित एक नागरिक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति शामिल होंगी। इस अवसर पर वे विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगी और उनका उद्घाटन करेंगी।

12 दिसंबर को राष्ट्रपति इम्फाल स्थित नुपी लाल स्मारक परिसर का दौरा करेंगी और मणिपुर की वीर महिला योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगी। बाद में, वे सेनापति में एक जनसभा को संबोधित करेंगी, जिसमें वे जिले के लिए विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एचएसवीपी और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को ईडीसी फंड से 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की

(जीएनएस)।

हरियाणा सरकार ने शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और कई महानगर विकास प्राधिकरणों को एऊ्र फंड से 1,700 करोड़ रुपये जारी किए हैं, इससे पहले 1,500 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। यह कदम प्रमुख शहरों में शहरी विकास के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

हरियाणा सरकार ने शहरी विकास को सुदृढ़ करने और राज्य के प्रमुख शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा सुधार को गति देने के उद्देश्य से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1700 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिविल सचिवालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार शहरी विकास को उच्च प्राथमिकता देते हुए

रियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में पत्रकारों को सम्बोधित करते हु... ध में हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा और राजस्व एवं आपदा प्रबं... भाग और वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा। (10.12.2025)

नागरिकों को विश्वस्तरीय अवसंरचना उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट अभिभाषण में बाहरी विकास कार्यों के लिए ईडीसी फंड से 3,000 करोड़ रुपये हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण तथा गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, पंचकूला और हिसार के विकास प्राधिकरणों को आवंटित किए जाने की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा को मूर्तरूप देते हुए नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने ईडीसी फंड के प्रभावी उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2025-26 में ईडीसी फंड से विभिन्न महानगरीय विकास प्राधिकरणों को 1500 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा, आज विभिन्न शहरी एस्टेट्स में विकास कार्यों के लिए कुल 1700 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने का स्वागत किया

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने दीपावली को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल करने के यूनेस्को के निर्णय पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक मान्यता प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उपराष्ट्रपति ने कहा कि दीपावली केवल एक त्यौहार नहीं है, बल्कि एक सभ्यतागत परंपरा है जो राष्ट्र को एकजुट करती है और विश्व भर में गूंजती है। उन्होंने कहा कि यह पर्व भारत की बहुसंस्कृतिवाद, विविधता और सामाजिक एकता का प्रतीक है, साथ ही आशा, सद्भाव और अंधकार पर प्रकाश तथा अधर्म पर धर्म की विजय का शाश्वत संदेश भी देता है।

'ग्रीन गुजरात, विकसित गुजरात': पिछले 3 वर्ष में 1.04 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र में बुवाई कार्य किया गया

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 10 दिसंबर : आगामी 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के सुशासन के तीन वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार 'ग्रीन गुजरात, विकसित गुजरात' के संकल्प को साकार करने की दिशा में कार्यरत है। पिछले 3 वर्ष में गुजरात ने पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए ग्रीन कवर बढ़ाने के लिए व्यापक

पैमाने पर बुवाई एवं पुनर्वनीकरण किया है। सस्टेनेबल डेवलपमेंट का यह विशिष्ट मॉडल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप है।

पिछले तीन वर्ष में गुजरात ने पर्यावरण संरक्षण तथा हरितावरण बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें एक उल्लेखनीय प्रयास वन क्षेत्र में बुवाई बढ़ाना है। वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र में कुल 1,04,270 हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई की गई है। इतना ही नहीं; केन्द्र सरकार की 'मिष्टी' योजना के क्रियान्वयन में भी गुजरात अग्रसर राज्य है।

'मिष्टी' योजना अंतर्गत गुजरात में 34,242 हेक्टेयर क्षेत्र में हुई मैंग्रोव की बुवाई

मैंग्रोव इनिशिएटिव फॉर शोरलाइन हैबिटेट एंड टेंजिबल इनकम (मिष्टी) योजना अंतर्गत समुद्र तट पर मैंग्रोव वन सृष्टि का विस्तार करते हुए कुल 34,242 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव की बुवाई की गई है। 'मिष्टी' योजना केन्द्र सरकार ने 5 जून, 2023 को तटवर्ती राज्यों में मैंग्रोव इकोसिस्टम को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू की थी; जिसका मुख्य उद्देश्य मैंग्रोव बुवाई, मैंग्रोव क्षेत्र की वैज्ञानिक मैपिंग, नर्सरी विकास, हाइड्रोलॉजी-भौगोलिक स्थिति का मूल्यांकन, जन जागृति, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा इको-टूरिज्म को प्रोत्साहन देकर तटीय पर्यावरण का संरक्षण करना है।

पिछले तीन वर्ष में स्थानीय आदिवासी समुदायों को कुल 158 लाख बाँस का वितरण

राज्य सरकार ने परंपरागत घास-चारे की पुनर्स्थापना तथा वनाधारित जीवन को समर्थन देने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पिछले 3 वर्ष में कच्छ के बन्नी क्षेत्र में कुल 5,000 हेक्टेयर में घास-चारे की बुवाई करके विभागीय घास-चारा संग्रह के अलावा अनुमानित 52.52 लाख किलोग्राम घास-चारे का स्थानीय लोगों को वितरण किया गया है।

रेलवे अमृत भारत स्कीम के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों का कर रहा है पुनर्विकास : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 10 दिसंबर:2025 को लोकसभा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत के चल रहे रेलवे स्टेशन पुनर्विकास अभियान के पैमाने और प्रगति की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्रीश्री ने कहा, "मैं पूरे सदन और राष्ट्र को, आपके माध्यम से यह जानकारी देना चाहता हूं कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री ने अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत स्टेशनों के पुनर्विकास की एक नई पहल शुरू की है, जो पूरी दुनिया में किसी भी देश द्वारा स्टेशनों के पुनर्विकास का सबसे बड़ा कार्यक्रम है।"

1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है, 160 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, और यह काम करने के पुराने पारंपरिक तरीकों से अलग है जहां सिर्फ रंग-रोगन को ही स्टेशन विकास मान लिया जाता था। आज हम एक सुविचारित मास्टर प्लान के साथ काम कर रहे हैं, स्थानीय वास्तुकला को महत्व दे रहे हैं, दोनों ओर से प्रवेश का रास्ता बना रहे हैं, यात्री हॉल और एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) बना रहे हैं, और आने वाले अगले 50 वर्षों के लिए इसकी योजना बना रहे हैं।

श्री वैष्णव ने सुधारे गए प्रवेश क्षेत्रों, विस्तारित पार्किंग जोन और नई यात्री-प्रबंधन व्यवस्थाओं पर भी प्रकाश डाला। दिवाली और छठ पूजा के दौरान तैयार किए गए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के होल्डिंग एरिया का उदाहरण देते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे चरम त्योहारी भीड़ के दौरान हजारों यात्री रेलवे सुविधाओं का उपयोग करते हुए आराम से इंतजार कर पाए। स्टेशनों पर बढ़ी हुई स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मंत्रीश्री ने कहा कि 15 साल पहले की स्थिति की तुलना में स्वच्छता के स्तर में काफी सुधार हुआ है, जिससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए "एक नया मानक" स्थापित हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसी साल जून में अमृत भारत स्टेशनों के एक नए समूह के पुनर्विकास कार्यों का शुभारंभ किया था, जिसमें राजस्थान के बीकानेर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कुल 103 स्टेशनों को लॉन्च किया गया था। यह राष्ट्रव्यापी आधुनिकीकरण प्रयास में एक और मील का पत्थर था। उन्नत मुहार, बेहतर परिसंचरण क्षेत्रों, टिकाऊ भवन सुविधाओं और बहु-मोडल एकीकरण के साथ योजनाबद्ध ये स्टेशन, देश भर में विश्व-स्तरीय, भविष्य के लिए तैयार रेलवे हब बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं।

पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा एवं यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन, वडोदरा – कोट्टयम तथा साबरमती – नई दिल्ली स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 04005/04006 बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 04005 बांद्रा टर्मिनस – हजरत निजामुद्दीन स्पेशल शुक्रवार, 12 दिसम्बर, 2025 को 14.40 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.10 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04006 हजरत निजामुद्दीन – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 13.35 बजे हजरत निजामुद्दीन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम एवं कोटा स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09124/09123 वडोदरा – कोट्टयम (साप्ताहिक) स्पेशल (08 फेरे)

ट्रेन संख्या 09124 वडोदरा – कोट्टयम स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 09.05 बजे वडोदरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.00 बजे कोट्टयम पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 दिसम्बर, 2025 से 10 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09123 कोट्टयम – वडोदरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को 21.00 बजे कोट्टयम से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 06.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 दिसम्बर, 2025 से 11 जनवरी, 2026 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमली, मडगांव, कारवार, कुमटा, मुर्डेश्वर, भटकल, मुकाम्बिका रोड बैंदूर, कुंडापुरा, उडुपी, सुरथकल, मंगलुरु जं., कासरगोड, कन्नूर, तलश्शेरी, कोझिक्कोड, तिरुर, षोरनूर, त्रिशूर, आलुवा तथा एरणाकुलम टाउन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 04033 साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल (01 फेरा)

ट्रेन संख्या 04033 साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 19.00 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

यह ट्रेन पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर एवं रेवाड़ी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 04005 एवं 04033 की बुकिंग शुरू है, जबकि ट्रेन संख्या 09124 की बुकिंग 12.12.2025 से समस्त पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। यात्री समस्त पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर टिकट प्राप्त कर सकते हैं। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस और अजमेर के बीच चलायी जाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

यात्रियों की सुविधा तथा अजमेर उर्स उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्टेशन के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी।

पश्चिमी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09063/09064 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर सुपरफास्ट स्पेशल [02 फेरे]

ट्रेन संख्या 09063 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्पेशल बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 को 12:15 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:15 बजे अजमेर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09064 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 को 11:40 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिण्डवाड़ा, फालना, रानी, मारवाड़, सोजत रोड और ब्यावर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में अउ – 2 टियर, अउ – 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09063 के लिए बुकिंग 12 दिसंबर 2025 से सभी ढफर काउंटरों और क्फ्ळऊउ वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सीएम योगी ने इन दो लत को बताया युवा के लिए सबसे बड़ी चुनौती, बचने की दी सलाह

(जीएनएस)।

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), 10 दिसंबर (एएनआई): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आज के युवाओं को घेरे दो प्रमुख लतों – नशे की लत और स्मार्टफोन के अत्यधिक उपयोग – से दूर रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से इन आदतों से बचने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसा करने से न केवल उनका भविष्य सुरक्षित होगा, बल्कि राष्ट्र के विकास में भी योगदान मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें स्थापना सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "आज युवाओं के सामने दो चुनौतियाँ हैं: एक नशे की लत है, और दूसरी मोबाइल फोन या स्मार्टफोन की लत है। उन्हें इन दोनों ही लतों से बचना होगा।"

उन्होंने आगे कहा, "युवा जितना अधिक इनसे बचेंगे, उतना ही बेहतर तरीके से वे अपनी और देश के भविष्य की रक्षा कर पाएंगे। नशे से बचकर ही युवा अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ठीक से निभा पाएंगे।"

मुख्यमंत्री योगी ने स्पष्ट किया, "युवाओं को इस नई लड़ाई से लड़ने के लिए खुद को तैयार करना होगा, क्योंकि विरोधी किसी न किसी रूप में घुसपैठ करना चाहते हैं। हमें उन्हें यह अवसर नहीं देना चाहिए।" उन्होंने युवाओं द्वारा स्मार्टफोन पर अत्यधिक समय बिताने की आदत कम करने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने समझाया कि भले ही इसे एक साथ पूरी तरह से छोड़ना चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन युवाओं को धीरे-धीरे इसका उपयोग कम करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, "आवश्यकता पड़ने पर अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल आधे घंटे या एक घंटे के लिए ही करें। एक समय सीमा निर्धारित करें; इसका उपयोग तभी करें जब आपको कोई महत्वपूर्ण कॉल करनी हो।"

मुख्यमंत्री ने आगे चेतावनी दी, "स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग आपकी दृष्टि को प्रभावित कर सकता है। यह बुद्धिमत्ता, विवेक और शारीरिक क्षमता को पूरी तरह से क्षीण कर देगा। इसलिए, आपको जितना संभव हो सके, स्मार्टफोन से बचने का प्रयास करना चाहिए।"

योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा, "वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम न केवल इसके संस्थापकों के प्रति कृतज्ञता के रूप में एक विनम्र श्रद्धांजलि हैं, बल्कि हमारे समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का एक माध्यम भी हैं, जो हमें हमारे कर्तव्यों की याद दिलाते हैं।"

उन्होंने कहा, "हर नागरिक अपने अधिकारों की बात करता है लेकिन समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विमुख रहता है। यह समारोह महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के विभिन्न संस्थानों को एकजुट करता है और टीम वर्क के महत्व को बताता है।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि विश्व अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट, ड्रोन और रोबोटिक्स के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा, "हममें से कोई भी खुद को इससे अलग नहीं कर सकता। और न ही हमें करना चाहिए। हमें इस मानसिकता से भी उबरने की जरूरत है कि तकनीक से रोजगार के अवसर कम होंगे।"

योगी आदित्यनाथ ने जोर दिया, "यह सच नहीं है; बल्कि, जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ेगी, नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हमें इसके अनुकूल होने के लिए खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होगा।" उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में केवल वही सफल होते हैं जो धैर्य नहीं खोते और शांत रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, "जीवन में हार तभी होती है, जब हमारा दृष्टिकोण नकारात्मक हो। दूसरों को दोष देने के बजाय, यदि हम मिलकर एक दीपक जलाना शुरू करें, यदि हर व्यक्ति मिलकर काम करे और आगे बढ़े, तो कहीं भी अंधेरा नहीं रहेगा।"

योगी आदित्यनाथ ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से इनसे जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने याद दिलाया कि शॉर्टकट का रास्ता कभी भी जीवन में सफलता नहीं दिला सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति और संस्थान को हमेशा इस बात के लिए तैयार रहना चाहिए कि जहां तकनीक जीवन को आसान बना रही है, वहीं यह हमें उतनी ही चुनौतियाँ और कठिनाइयाँ भी दे रही है।

उन्होंने कहा, "युवाओं और शैक्षणिक संस्थानों को इसके लिए खुद को तैयार करना होगा।" इस अवसर पर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थानों से सर्वश्रेष्ठ संस्थानों, सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों, सर्वश्रेष्ठ सहायक कर्मचारियों, और उत्कृष्ट स्नातकोत्तर, स्नातक, तथा हाई स्कूल/इंटरमीडिएट के छात्रों, साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक संपन्न

(जीएनएस)।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में माह दिसंबर, 2025 की जिला उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपयुक्त उद्योग द्वारा पिछले बैठक के अनुपालन में अब तक की गई कार्रवाई का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान डीएम ने उद्यमियों से संवाद किया एवं सभी के सुझाव एवं समस्याओं को सुना तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश संबंधित को दिए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम अटल पेंशन योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, सीएम युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य रोजगारपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी बैंक में ऋण आवेदन पत्र अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। यदि किसी आवेदन में कोई कमी हो तो संबंधित शाखाएं लाभार्थियों से संपर्क कर उसे दूर करें और समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उपायुक्त उद्योग, बैंकर्स, उद्यमी, व्यापारीगण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा पुलिस कार्यालय की शाखाओं का किया गया

(जीएनएस)।

बांदा, वार्षिक निरीक्षण । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम, डिस्पैच, रिट सेल, प्रधान लिपिक व अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश ।

आज दिनांक 10.12.2025 को पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल द्वारा पुलिस कार्यालय से सम्बन्धित सभी शाखाओं का वार्षिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम, डिस्पैच, रिकार्ड रुम, पीआरओ सेल, प्रधान लिपिक आदि कार्यालयों का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान गार्द रुम के पुलिस बल की उपस्थिति, ड्यूटी रजिस्टर, शस्त्रागार में रखे हथियारों की साफ-सफाई व रख-रखाव आदि का निरीक्षण किया गया, रिट सेल में अपराधों की समीक्षा करते हुए मा0 न्यायालयों से सम्बन्धित प्रपत्रों, सम्मनों व वारंटो आदि के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की गई साथ ही अन्य सभी शाखाओं का भी निरीक्षण करते हुए शाखाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश । निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी कार्यालय श्री अखिलेश राजन व प्रतिसार निरीक्षक श्री बेलाश यादव भी मौजूद रहे ।

छाया ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस का सीएमओ ने किया निरीक्षण

टीकाकरण सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया विशेष जोर, 03 गर्भवती महिलाओं और 16 बच्चों का हुआ टीकाकरण

(जीएनएस)।

बलरामपुर । विकास खण्ड तुलसीपुर के ग्राम बिशुनपुर खैरहनिया में आयोजित छाया ग्राम स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता दिवस कार्यक्रम का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बुधवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टीकाकरण, पोषण एवं स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया तथा लाभार्थियों से संवाद स्थापित कर सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की।

सीएमओ के निरीक्षण के समय एएनएम शिल्पा भारती द्वारा 03 गर्भवती महिलाओं एवं 16 बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका था। इस दौरान डॉ. रस्तोगी ने टीकाकरण कार्य में और तेजी लाने, सभी पात्र लाभार्थियों की शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर आयोजित ऐसे दिवस ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और समय से टीकाकरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमित वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी पूनम साहू, आशा कार्यकत्री आरती देवी, आंगनवाड़ी कार्यकत्री उर्मिला, प्रीतम गुप्ता सहित स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम मौजूद रही। जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने ग्रामवासियों को स्वच्छता, पोषण, टीकाकरण एवं नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करने के लिए संदेश भी दिया।

सीएमओ ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा किसी भी लाभार्थी को सेवाओं से वंचित न रहने दिया जाए। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्राम में मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी सभी सेवाएं समय से और गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराई जाएं।

बांदा में मानव अधिकार दिवस पर दृष्टिबाधित बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया

(जीएनएस)।

बांदा -दिनांक 10/12/2025 को मानवाधिकार फोरम के तत्वाधान में ग्राम महोखर के राजकीय दृष्टिबाधित कालेज में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मानवाधिकार फोरम के जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रामपाल प्रजापति रहे विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील कुमार श्रीवास्तव,प्रदेश सचिव विनोद कुमार श्रीवास्तव,बुंदेलखंड प्रभारी बहन नीलम गुप्ता जी रही ।

मानवाधिकार दिवस पर कॉलेज के दृष्टि बाधित बच्चों को और कॉलेज के दृष्टि बाधित शिक्षकों को प्रोत्साहित करते गर्म स्वेटर वितरण कर सम्मानित किया गया। मानवाधिकार फोरम के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल प्रजापति ने बच्चों को संविधान में दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए मानवाधिकार फोरम के उद्देश्यों को बताते मानव संरक्षण के तहत गरीबों मजलूमों पीड़ितों असहाय लोगों को न्याय दिलाने हेतु संगठन अपना पूरा सहयोग कर रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के बच्चों का हौसला बढ़ाने प्रोत्साहित करें के साथ साथ राष्ट्र सेवा सर्वोपरि सेवा भाव से समाज निर्माण का कार्य सब करे । नगर अध्यक्ष दिनेश कुमार शुक्ला, अरविंद कुमार गुप्ता ,अमित कुमार,राहुल भाई ,रानू भाई ,मानवाधिकार फोरम के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने सहयोग किया ।

बलरामपुर पुलिस द्वारा चोरी/गुम हुए 174 स्मार्टफोन किया गया बरामद (स्मार्टफोनों की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये)

(जीएनएस)।

महराष्ट्र (मुम्बई) से चोरी/गुम हुए मोबाइलों की बरामदगी हेतु पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार द्वारा जनपद बलरामपुर मे चलाए गये विषेश अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल पाण्डेय एवं क्षेत्राधिकारी ललिया/ साइबर क्राइम डी0के0 श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में, प्रभारी साइबर थाना आर0 पी0 यादव के नेतृत्व में साइबर थाना पुलिस व महराष्ट्र पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आवश्यक तकनीकी कार्यवाही करते हुए कुल 174 अदद स्मार्टफोन बरामद किए गए।

बरामद किए गए स्मार्टफोनों की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये है।

इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने साइबर थाना पुलिस टीम के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्यवाही बलरामपुर पुलिस की सतर्कता, तकनीकी दक्षता एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रयास से जहां आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत हुआ है, वहीं यह भी सिद्ध हुआ है कि बलरामपुर पुलिस हर तरह के पीड़ितों की सहायता के लिए सदैव तत्पर है।

बलरामपुर पुलिस का यह प्रयास केवल गुमशुदा संपत्ति की बरामदगी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दशार्ता है कि आधुनिक तकनीक, टीम वर्क एवं समन्वित प्रयास के माध्यम से किसी भी चुनौती को सफलता में बदला जा सकता है। जनपद बलरामपुर पुलिस आमजन को विश्वास दिलाती है कि गुमशुदा मोबाइल बरामदगी की यह प्रक्रिया सतत रूप से जारी रहेगी।

बरामदगी गुमशुदा मोबाइल-
174 अदद स्मार्टफोन
अनुमानित कीमत- लगभग 35 लाख रुपये

श्रद्धालुओं ने केन जल महाआरती संपन्न की, मांगा आशीर्वाद

(जीएनएस)।

बांदा -केन जल महाआरती कार्यक्रम बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ श्रद्धालुओं ने संपन्न किया। यह आयोजन विश्व हिंदू महासंघ गौ रक्षा समिति एवं गंगा समग्र कानपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने केन नदी के जल में गिर रहे गंदे नाले के पानी को बिना सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के बिना नदी में गंदगी प्रवाहित होने पर नाराजगी जताई और कहा गया कि इससे के नदी का जल अशुद्ध हो रहा है। श्रद्धालुओं ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जहां गंदे नाले का पानी नदी में गिरता है वहां का पानी एकदम काला पड़ जाता है क्योंकि उसमें काफी सारी गंदगी गिरती है। वहीं दूसरी तरफ आम जनमानस भी केन नदी के पुल से जाने कितने अपशिष्ट पदार्थ और पालीथीन नदी में फेक देते है जिससे भी जल दूषित होता जा रहा है। इन सभी के मद्देनजर जिलाध्यक्ष महेश प्रजापति ने अपने संबोधन में कहा कि हम सबको एक शपथ लेनी चाहिए कि अब से केन नदी में हम लोग कोई भी अपशिष्ट पदार्थ और पालीथीन नहीं डालेंगे और इसे स्वच्छ रखने में सहायक बनेंगे। इस दौरान बताया गया कि केन नदी का जल सभी के घरों में भी सप्लाई की माध्यम से जाता है जोकि दूषित रहता है जिससे आम जनमानस के बीमार होने का भी काफी खतरा है। इस दौरान सभी से अपील की गई है कि केन नदी को स्वच्छ रखने में सभी लोग सहयोग करे और नदी को दूषित न करें। इस दौरान कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता गुप्ता जिला अध्यक्ष युवा उद्योग व्यापार मंडल प्रेम गुप्ता कोषाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता जिला संयोजक महेश तिवारी जिला महामंत्री राकेश कुमार त्रिपाठी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार धुरिया जिला उपाध्यक्ष आलोक कुमार प्रजापति नगर अध्यक्ष ऋषभ कुमार विश्वकर्मा सहित तमाम पदाधिकारी एवं श्रद्धालु लोग मौजूद रहे।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

संसदीय चर्चा के केंद्र में भारत की चुनाव प्रणाली

लोकसभा में मंगलवार को चुनाव सुधार पर चर्चा निर्धारित समय से शुरू हुई तो विपक्ष ने एसआईआर और ईवीएम पर हमले शुरू कर दिए जबकि सत्तापक्ष ने साफतौर पर बिजनेस कमेटी में ही कह दिया था चुनाव आयोग के ाढियाकलाप पर कोई चर्चा नहीं हो सकती। यही कारण है कि जब विपक्ष ने एसआईआर पर चर्चा की मांग की तो सरकार ने इस चर्चा का नाम चुनाव सुधार रख दिया। दरअसल बहस शुरू होते ही सत्तारूढ़ जनतांत्रिक गठबंधन यानि एनडीए के दोनों बड़े सहयोगियों जेडीयू और टीडीपी ने कांग्रेस पर निर्वाचन आयोग की उपलब्धियों को स्वीकारने और उसमें सुधार के लिए सुझाव देने के बजाए आयोग और उसकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद पर निशाना साधने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री और जद (यू) के नेता राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह ने चुनाव सुधारों पर सदन में जारी विशेष चर्चा में भाग लेते हुए भारत की चुनाव प्रणाली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ चुनाव प्रणाली बताया किन्तु साथ ही यह भी दावा किया कि इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है।

सच तो यह है कि सुधार का मतलब ही सतत प्राढिया से होता है। कोई भी प्राढिया ऐसी नहीं है जिसे व्यावहारिक बनाए जाने के लिए सुधारा न जा सके। ललन सिंह कुछ ज्यादा ही बोल गए। इससे सुधार की अनन्त संभावनाओं को सीमित करने का जो उन्होंने दावा किया वह नहीं होना चाहिए। यह भाव कदापि सकारात्मक नहीं कहा जा सकता कि ह्लअब सुधार की गुंजाइश ही नहीं है।" किन्तु एक बात पर गौर करने की यह है कि विपक्ष को हर सुधार पर एतराज है। पहले कई वर्षों तक ईवीएम को धोखाधड़ी बताकर भ्रमित करने का सिलसिला चलाने का प्रयास किया गया किन्तु जब चुनाव आयोग ने राजनेताओं को आमंत्रित किया कि वह ईवीएम को हैक करके दिखाएं तो कोई भी नहीं पहुंचा। इसलिए विपक्ष के आरोपों की हकीकत अब खुलकर सामने आ गई है। उन्हें आरोप लगाने से मतलब है क्योंकि लोकतंत्र में विपक्ष के नेताओं को आरोप लगाने का अधिकार है, न कि उन्हें सिद्ध करने का और उन्हें अपने कर्तव्यों का बोध नहीं है। रही बात एसआईआर की तो यदि राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में घुसपैठियों को आवश्यक अनाधिकृत रूप से दस्तावेज तैयार कराने से रोकते तो एसआईआर की जरूरत ही नहीं पड़ती। हैरानी की बात तो यह है कि विपक्ष की कुछ पार्टियां एसआईआर के कारण अपने वोटर घुसपैठियों में भगदड़ मच जाने से भयभीत हैं। बहरहाल संवैधानिक संस्था होने के कारण चुनाव आयोग का कर्तव्य है कि वह राजनीतिक पार्टियों के संदेहों एवं आरोपों के प्रति संवेदनशील हों किन्तु साथ ही राजनीतिक पार्टियों का भी दायित्व है कि वे जब तक प्रमाण न हो तब तक अनर्गल आरोप मात्र अपनी राजनीतिक सुरक्षा कवच के लिए न लगाएं। रही बात संसद में चुनाव सुधार के बारे में चर्चा की बात तो कोई भी समाज जो निरन्तर किसी प्रणाली के विकास में आगे बढ़ रहा हो, वह किसी भी हालत में उसे समेट कर बैलट पेपर युग में नहीं जा सकता।

पुतिन की पीठ में शी जिनपिंग ने घोंपा खंजर! दबोच रहे रूस की जमीन, नक्शे में रूसी इलाके को बताया अपना

(जीएनएस)।

चीन अक्सर भारत के अरुणाचल प्रदेश को अपना बताता रहता है। यहां तक कि उसने अपने नक्शे में भी अरुणाचल को शामिल किया है। लेकिन उनसी इस कब्जे वाली नीति से सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि अब रूस के लिए भी मुश्किलें खड़ी होने वाली हैं। दरअसल चीन ने रूस के कुछ इलाकों को अपने नक्शे में दिखाया है। जिसको लेकर फिर से एक नई बहस शुरू हो गई है।

यही वजह है कि दुनिया की सबसे लंबी सीमा पर चीनी अतिक्रमण की आशंका तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि बीजिंग और मॉस्को ग्लोबल मंच पर "असीमित साझेदार" दिखते हैं, लेकिन अंदर से रिश्ते उतने सरल नहीं हैं जितने नजर आते हैं।

आधिकारिक चीनी नक्शों में बड़ा बदलाव

2023 में चीन के पर्यावरण मंत्रालय ने नए आधिकारिक नक्शों में रूस के कुछ शहरों-जैसे व्लादिवोस्तोक-को उनके चीनी नामों से दिखाने का आदेश दिया। इसके अलावा, अमूर और उस्सूरी नदियों के बीच स्थित वह विवादित द्वीप, जिस पर 2008 में समझौता हो गया था, उसे चीन ने नक्शे में पूरी तरह अपना क्षेत्र दिखा दिया।

चीनी किसानों की बढ़ती जमीन खरीद से रूस चिंतित

सीमा के दोनों ओर चीनी किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर जमीन खरीदने और लंबे समय की लीज लेने की घटनाएँ भी रूस की बेचैनी बढ़ा रही हैं। इसी बीच चीन के राष्ट्रवादी खुले तौर पर 19वीं सदी में किंग राजवंश द्वारा रूस को जबरन सौंपे गए क्षेत्रों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। हालांकि बीजिंग ने इन मांगों की पुष्टि नहीं की है।

बीजिंग का बयान और पुतिन-शी की दोस्ती

चीन इन बदलावों को कम महत्व देता है और कहता है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ उसका रिश्ता बेहद महत्वपूर्ण है। जून में तियानमेन

स्क्वायर में हुई 'वी-डे' परेड में पुतिन को शी जिनपिंग के ठीक बगल में सम्मानित स्थान दिया गया था-जो दोनों देशों की सार्वजनिक दोस्ती को दशार्ता है।

रूस की अर्थव्यवस्था को चीन का सहारा

यूक्रेन पर रूस के फुल-स्केल आक्रमण और भारी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बाद चीन उसका सबसे बड़ा सपोर्ट बनकर उभरा है। चीन आज रूस का नंबर-वन गैस और तेल खरीदार है। इसके चलते रूस की वॉर इकोनॉमी चलती रही है। बदले में, रूस को चीन के साथ रिकॉर्ड स्तर का व्यापार मिला है और उसने SWIFT के विकल्प के तौर पर चीनी युआन को अपनाया है।

अमेरिका के खिलाफ चीन-रूस का बढ़ता गठजोड़

कूटनीतिक रूप से दोनों देश अमेरिका के वर्चस्व के खिलाफ एक मजबूत धुरी बनाते जा रहे हैं।

प्रशांत क्षेत्र में उनके संयुक्त सैन्य अभ्यासों को अमेरिका और उसके सहयोगी अपनी सैन्य मौजूदगी के लिए सीधे चुनौती मानते हैं।

रूस के अंदर डर

रूस में एक चिंता तेजी से बढ़ रही है-कि कहीं वह चीन की तुलना में "जूनियर पार्टनर" न बन जाए। क्रेमलिन से जुड़े कुछ लोगों ने चेतावनी दी है कि चीन पर अत्यधिक निर्भरता भविष्य में उलटा भी पड़ सकती है।

लीक हुए दस्तावेजों में खुलासे

एक न्यूयॉर्क टाइम्स रिपोर्ट-जो रूसी खुफिया विभाग से लीक दस्तावेजों पर आधारित थी-ने चीन के बढ़ते प्रभाव से जुड़े डर को सामने लाया। रिपोर्ट में दावा था कि चीनी एजेंट, चीनी पत्नियों वाले रूसी नागरिकों की भर्ती कर रहे हैं, और चीन से लौटने वाले रूसी एजेंटों से पॉलीग्राफ टेस्ट कराए जा रहे हैं। यह दोनों देशों के बीच अविश्वास की एक परत को दशार्ता है।

चीन की "धीमी लेकिन स्थिर" रणनीति

हडसन इंस्टीट्यूट के एशिया-प्रशांत विशेषज्ञ पैट्रिक क्रोनिन कहते हैं कि शी जिनपिंग रूस को अमेरिका के बाद की विश्व व्यवस्था में एक "महत्वपूर्ण रणनीतिक साथी" मानते हैं। उनके मुताबिक, परेड, संयुक्त अभ्यास और एकजुटता के दिखावे वास्तविकता को छुपाते हैं-जहाँ चीन धीरे-धीरे अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत कर रहा है, खासकर साइबर गतिविधियों और सीमाई क्षेत्रों में।

नीतीश का 'मास्टरस्ट्रोक' तैयार! भाजपा को पछाड़ जेडीयू बन जाएगी 'सबसे बड़ी पार्टी', समझिए गेम प्लान

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में एक बार फिर बड़े 'खेला' की अटकलें तेज हो गई हैं। क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी खऊ्र को विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनाने की तैयारी में हैं, जिससे वह BJP को पछाड़ सकें?

इसकी शुरूआत तब हुई जब असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM के तीन विधायकों ने सोमवार को नीतीश कुमार से मुलाकात की, और विधायक मो. मुर्शीद आलम ने CM को अपना 'राजनीतिक गुरु' बता दिया। विधानसभा अध्यक्ष का पद इखढ के पास जाने के बाद, माना जा रहा है कि नीतीश कुमार अब दूसरे समीकरणों के जरिए सरकार पर अपनी पकड़ मजबूत रखना चाहते हैं।

ओवैसी के 5 में 3 विधायकों ने नीतीश कुमार से की मुलाकात

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्टक्ट को बड़ा झटका देते हुए, उसके तीन विधायकों ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात से बिहार की राजनीति में बड़ी हलचल मच गई और

पार्टी में टूट की अटकलें तेज हो गईं। इन विधायकों के पाला बदलने की चर्चा के बीच, विधायक मो. मुर्शीद आलम ने बाहर आकर नीतीश कुमार को अपना 'राजनीतिक गुरु' बता दिया, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया।

क्यों AIMIM के विधायक बन सकते हैं JDU की सबसे बड़ी ताकत?

जनता दल यूनाइटेड (JDU) द्वारा AIMIM विधायकों को अपनी पार्टी में शामिल कराने के पीछे मुख्य रूप से विधानसभा में अपनी संख्या और राजनीतिक दबदबा बढ़ाने का उद्देश्य है।

सबसे बड़ी पार्टी बनने की होड़: ववर्तमान में BJP बिहार विधानसभा में 89 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है, जबकि JDU 85 विधायकों के साथ दूसरे स्थान पर है। नीतीश कुमार का लक्ष्य JDU को शीर्ष पर लाना है। यदि AIMIM के तीन विधायक खऊ्र में शामिल होते हैं, तो JDU की संख्या 88 हो जाएगी। अगर AIMIM के सभी पांचों विधायक पाला बदलकर JDU में आ जाते हैं, तो खऊ्र की संख्या सीधे 90 पहुंच जाएगी, और वह BJP को पछाड़कर विधानसभा में नंबर-1 पार्टी बन जाएगी।

शक्ति संतुलन: विधानसभा अध्यक्ष का पद BJP के पास जाने के बाद, नीतीश कुमार सरकार पर अपनी पकड़ किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देना चाहते। विधायकों की संख्या बढ़ाना उन्हें गठबंधन के भीतर मोलभाव करने और सरकार के फैसलों पर नियंत्रण रखने की अधिक शक्ति देगा।

राजनीतिक दबदबा: विधायकों की संख्या बढ़ने से गठबंधन की राजनीति में JDU का राजनीतिक महत्व और बढ़ जाएगा, जिससे वह बीजेपी के सामने एक मजबूत भागीदार के रूप में खड़ी रह सकेगी।

पिछली बार AIMIM के 4 विधायक RJD में हो गए थे शामिल

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM में यह टूट की आशंका नई नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के बाद भी पार्टी को बड़ा झटका लगा था। उस समय AIMIM के 5 में से 4 विधायक पाला बदलकर राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में शामिल हो गए थे। इस इतिहास को देखते हुए, वर्तमान में तीन विधायकों का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलना साफ संकेत है कि AIMIM एक बार फिर बड़े विभाजन का सामना कर रही है, जिससे बिहार की राजनीति में उसका वजूद खतरे में पड़ सकता है।

'वो खूबसूरत चेहरा, होंठ नहीं रुकते', 5 बच्चों के बाप 79 की उम्र में ट्रंप इस लेडी पर पिघले

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जुबान फिर फिसल गई। पेंसिल्वेनिया की एक रैली में आर्थिक एजेंडे पर बोलते हुए वे मैसेज से भटक गए और अपनी 28 साल की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट की 'खूबसूरत चेहरे' और 'मशीन गन जैसे होंठों' की तारीफों के पुल बांधने लगे।

79 साल के ट्रंप ने लेविट को 'सुपरस्टार' बताते हुए अजीबोगरीब आवाजें निकालीं-'ओप-ओप-ओप'-और कहा कि उनके होंठ 'छोटी मशीन गन' की तरह चलते हैं। ये बयान सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है, जहां इसे 'सेक्सिस्ट' और 'अनप्रोफेशनल' ठहराया जा रहा है। आइए, इस वायरल मोमेंट, कैरोलिन की प्रोफाइल और ट्रंप के पुराने बयानों को विस्तार से जानते हैं...

9 दिसंबर 2025 को माउंट पोकोनो, पेंसिल्वेनिया में ट्रंप एक रैली को संबोधित कर रहे थे। मकसद था अपने दूसरे कार्यकाल की आर्थिक सफलताओं का बखान-जैसे महंगाई पर काबू, जॉब्स क्रिएशन और 'अफोर्डेबिलिटी होक्स' को खारिज करना। लेकिन बीच में वे रुक गए और स्टेज पर मौजूद कैरोलिन लेविट की ओर इशारा कर बोले, 'आज हम अपनी सुपरस्टार कैरोलिन को भी साथ लाए हैं। क्या वो कमाल की नहीं हैं? क्या कैरोलिन वाकई कमाल की हैं?' भीड़ ने तालियां बजाईं, लेकिन ट्रंप यहीं नहीं रुके।

उन्होंने लेविट के आत्मविश्वास और टीवी पर 'डॉमिनेट' करने की तारीफ की, जो उनसे 51 साल छोटी हैं। फिर आया वो वायरल लाइन: 'जब वो टीवी पर आती हैं, जैसे फॉक्स न्यूज पर, तो वो हावी हो जाती हैं। वो हावी हो जाती हैं... जब वो उस खूबसूरत चेहरे और उन होंठों के साथ मंच पर आती हैं, जो लगातार धड़कते रहते हैं-ओप-ओप-ओप-मानो एक छोटी मशीन गन चल रही हो!' ट्रंप ने अजीब साउंड इफेक्ट्स के साथ जारी रखा, 'उसे कोई डर नहीं लगता... क्योंकि हमारे पास सही नीतियां हैं। महिला खेलों में हमारे पुरुष नहीं हैं... हमें ट्रांसजेंडर एजेंडा नहीं बेचना है, न ही खुली सीमाएं जहां पूरी दुनिया के जेलों से लोग हमारे देश में घुस आएं। इसलिए उसका काम थोड़ा आसान हो गया है।'

ये बयान वीडियो के रूप में वायरल हो गया, जिसे पर लाखों बार देखा जा चुका है। ट्रंप ने जोड़ा, 'मैं दूसरे पक्ष का प्रेस सेक्रेटरी नहीं बनना चाहूंगा।' रैली का मूड हल्का था, लेकिन ये कमेंट्स आलोचना के केंद्र में आ गए।

ये पहली बार नहीं: अगस्त से 'मशीन गन होंठ' का पुराना कनेक्शन

ट्रंप का लेविट के प्रति ये 'फैन बॉय' अंदाज नया नहीं। अगस्त 2025 में न्यूजमैक्स इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'ये उसका चेहरा है। ये उसका दिमाग है। ये उसके होंठ हैं, जो ऐसे हिलते हैं जैसे वो एक मशीन गन हो।' अक्टूबर में एयर फोर्स वन पर उन्होंने दोहराया, 'वो चेहरा... और वो होंठ, जो मशीन गन की तरह चलते हैं। कभी बदलूंगा नहीं।' ट्रंप ने दावा किया, 'कैरोलिन से बेहतर प्रेस सेक्रेटरी किसी के पास नहीं रही।' ये कमेंट्स ट्रंप की पुरानी स्टाइल को याद दिलाते हैं-महिलाओं की तारीफ में अक्सर फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस।

सोशल मीडिया पर बवाल: 'सेक्सिस्ट', 'क्रिपी'-मेलानिया तलाक की अफवाहें तक

ट्रंप का बयान पर आग लगा गया। TrumpCreepyLips ट्रेंड कर रहा है, जहां यूजर्स ने इसे 'अजीब', 'सेक्सिस्ट' और 'अनप्रोफेशनल' ठहराया। एक यूजर ने लिखा, 'ट्रंप का स्पीच इकोनॉमी पर था, लेकिन ट्रांस इश्यूज, रेसिस्ट सलाद और कैरोलिन के होंठों पर अटक गया? क्या मेलानिया अब तलाक की तैयारी कर रही हैं?' ह्यूमन राइट्स कैंपेन के ब्रैंडन वुल्फ ने कहा, 'ट्रंप का स्पीच इकोनॉमी पर था, लेकिन... कैरोलिन के होंठों पर?'

प्यार, धोखा और ब्लैकमेलिंग! कौन हैं महिला डीएसपी कल्पना वर्मा? बिजनेसमैन ने लगाया 'लव ट्रैप' का आरोप

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के रायपुर से एक गंभीर मामला सामने आया है। एक बिजनेसमैन ने छत्तीसगढ़ में पदस्थ महिला डीएसपी पर रिश्वतखोरी, ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। बिजनेसमैन ने दावा किया है कि महिला अधिकारी ने पहले उसे प्यार के जाल में फंसाया और फिर शादी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी की।

बिजनेसमैन ने आरोप लगाया है कि उससे महंगी कारें और कीमती ज्वेलरी ऐंठ ली गई। यह पूरा मामला अब जांच के दायरे में है, जिससे दोनों पक्षों की भूमिका पर सवाल खड़े हो गए हैं। कल्पना वर्मा ने इन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक साजिश बताकर खारिज कर दिया है। आइए आपको कल्पना वर्मा की पूरी कहानी बताते हैं...

कब हुई दोनों की मुलाकात? क्या-क्या लगाए आरोप

एनडीटीवी की रिपोर्ट्स के अनुसार, पीड़ित बिजनेसमैन दीपक टंडन ने बताया कि उनकी मुलाकात डीएसपी कल्पना वर्मा से साल 2021 में हुई थी। व्यवसायी दीपक टंडन के आरोपों के मुताबिक, इस रिश्ते के दौरान डीएसपी उनसे लगातार पैसों की डिमांड करती रहीं। इस तरह उन्होंने डीएसपी को दो करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम दी।

बिजनेसमैन ने क्या-क्या किया गिफ्ट?

रिपोर्ट्स के अनुसार, बिजनेसमैन ने डीएसपी को 12 लाख रुपये की हीरे की अंगूठी, 5 लाख रुपये की सोने की चेन और टॉप्स, और 1 लाख रुपये का ब्रेसलेट भी गिफ्ट में दिये। इसके अलावा, डीएसपी ने उनसे एक इनोवा क्रिस्टा कार भी ली।

होटल को लेकर किया बड़ा दावा

बिजनेसमैन का आरोप है कि डीएसपी की मांग यहीं नहीं रुकी। उन्होंने डीएसपी के लिए रायपुर की शक्ढ रोड पर स्थित उनके एक होटल को पहले डीएसपी के भाई के नाम पर, और बाद में ₹30 लाख खर्च करके डीएसपी के नाम पर करवा लिया।

ब्लैकमेलिंग और जेल भेजने की धमकी

दीपक टंडन ने पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा है कि जब उन्होंने डीएसपी की लगातार बढ़ती मांगों को पूरा करने से मना किया, तो महिला अधिकारी उन्हें ब्लैकमेल करने लगीं। उन्होंने खम्हारडीह थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि जब उन्होंने शिकायत वापस लेने से इनकार कर दिया, तो डीएसपी ने उन्हें फर्जी मामलों में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। व्यवसायी ने अपनी शिकायत के साथ व्हाट्सएप चैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूत पुलिस को सौंपे हैं।

डीएसपी ने आरोपों को बताया निराधार और साज़िश

दूसरी ओर, डीएसपी कल्पना वर्मा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'निराधार और बदनाम करने की साज़िश' करार दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डीएसपी वर्मा का कहना है कि यह पूरा विवाद उनके पिता और व्यवसायी दीपक टंडन के बीच बकाया राशि को लेकर है।

इस बकाया रकम के लिए दीपक टंडन की पत्नी बरखा टंडन ने एक चेक दिया था, जो बैंक में बाउंस हो गया था। डीएसपी का आरोप है कि चूंकि यह चेक बाउंस का मामला अदालत में विचाराधीन है, इसलिए न्यायिक कार्रवाई से बचने के लिए दीपक टंडन जानबूझकर उन्हें इस केस में घसीटकर उनकी छवि खराब कर रहे हैं।

बिजनेसमैन दीपक टंडन खुद भी सवालों के घेरे में

मामले की जांच शुरू होने के बाद कुछ अन्य खुलासे भी सामने आए हैं, जिनसे व्यवसायी दीपक टंडन खुद सवालों के घेरे में आ गए हैं। जांच से जुड़े सूत्रों के हवाले से, यह पता चला है कि दीपक टंडन पर एक अन्य महिला से साल 2018 में ₹50 लाख की ठगी का आरोप है।

यह रकम कथित तौर पर आबकारी विभाग में काम दिलाने के नाम पर ली गई थी। इससे भी गंभीर बात यह है कि कुछ पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि व्यवसायी दीपक टंडन का नाता महादेव सट्टा ऐप के बड़े विवाद से भी है। ठगी और महादेव ऐप से कनेक्शन की जानकारी सामने आने के बाद अब पूरे मामले का रुख पलट गया है।

मानहानि का केस करेंगी डीएसपी

डीएसपी कल्पना वर्मा ने दीपक टंडन और बरखा टंडन पर षड्यंत्र रचने का संदेह जताया है।

भारत के पसंदीदा कॉमेडियन कपिल शर्मा और कृष्णा अभिषेक फिर से कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड' में एक साथ आए हैं

(जीएनएस)।

भारतीय टेलीविजन को इस दशक का सबसे बड़ा नॉस्टैल्जिक झटका तब लगा जब कलर्स ने वह रीयूनियन करा दिया जिसकी फैंस को उम्मीद भी नहीं थी। कपिल शर्मा और कृष्णा अभिषेक ने इसी चैनल पर कॉमेडी युग की परिभाषा बदली थी और अब वे फिर एक साथ स्क्रीन पर हैं और 'लाफ्टर शेफ्स एंटरटेनमेंट अनलिमिटेड' में हंगामा मचा रहे हैं। यह पल ऐतिहासिक है क्योंकि कपिल शर्मा 11 साल बाद कलर्स चैनल पर लौट रहे हैं और इस बार वे अपनी आने वाली फिल्म के प्रमोशन के लिए विशेष अतिथि के रूप में आए हैं। और जैसे ही वे सेट पर कदम रखते हैं, रसोई का माहौल ही बदल जाता है।

कृष्णा अभिषेक इस शो के पहले से ही धमाकेदार सदस्य हैं। वह इस उठते तूफान की झलक को तुरंत भाँप लेते हैं और उसे हवा दे देते हैं। वह महिला का वेश धरकर भव्य अंदाज में

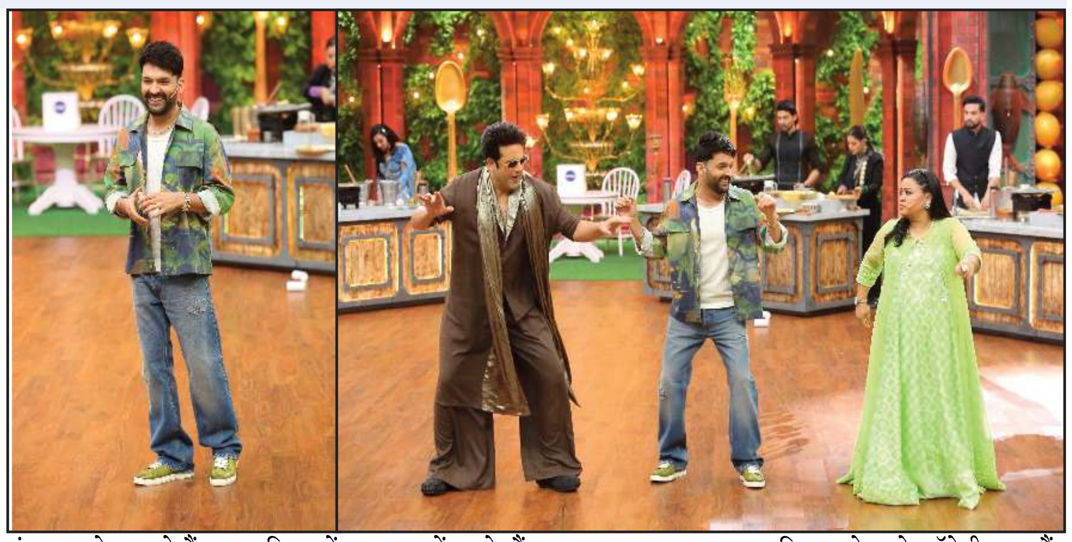

मंच पर प्रवेश करते हैं— उन किरदारों को सैल्यूट जो कभी भारतीय घरों की हँसी की गूँज की वजह बनते थे। दोनों ने उसी शरारत और जादू की झलक दिखाई जिनके साथ वे जुड़े हुए हैं। इसके बाद शुरू हो गया एक कॉमेडी कार्निवल! कपिल की कुकिंग स्किल (या उनके अभाव में) प्राइम-टाइम एंटरटेनमेंट बन जाती है। उनके ठीक बगल में खड़े हैं कृष्णा — सबका ध्यान भंग करवाने वाले, बेपरवाह रूप से हँसमुख और जान-बूझकर मदद न करने वाले 'सपोर्ट सिस्टम' जो किसी भी रसोई में हो सकते हैं। वह छेडते हैं, बीच में बोलते हैं, किरदार निभाते हैं — और कपिल हर अवरोध को अवसर में बदल देते हैं, जो साबित करता है कि दोनों ही देश के सबसे प्यार किए जाने वाले कॉमेडी स्टार हैं।

देखिए 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 3' — को-पॉवर्ड बाय एन्वी परफ्यूम्स एंड कैच मसाले, पोअर होम एयर फ्रेशनर, लक्सइंफर्नो; स्पेशल पार्टनर कैरेटलेन और पेट शुद्धि— हर शनिवार-रविवार रात 9:00 बजे सिर्फ कलर्स पर!

वैभव सूर्यवंशी नीलामी में होते तो कितने करोड़ मिलते? 12 गुना राशि के साथ 2 टीमों में होती टक्कर

(जीएनएस)।

पिछले आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए गदर मचाने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी निश्चित रूप से IPL 2026 की नीलामी में होते तो तहलका मचा देते। 14 साल की उम्र में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से इतिहास रचने वाले वैभव के लिए टीमों के बीच जबरदस्त बिड वॉर देखने को मिलती। राजस्थान रॉयल्स ने उनको रिटेन करते हुए जबरदस्त काम किया है।

उनका पिछला नीलामी मूल्य 1.10 करोड़ था। उनके IPL 2025 के प्रदर्शन के आधार पर, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि इस बार नीलामी में होने पर उनको कितने रुपये मिलते।

कितनी रकम ले जाते वैभव सूर्यवंशी?

वैभव सूर्यवंशी के लिए अनुमानित नीलामी मूल्य 12 करोड़ से 15 करोड़ रुपये तक हो सकता था। लंबी रेस का घोड़ा हर टीम को चाहिए। सूर्यवंशी की तूफानी अप्रोच में यह साफ झलकता है। पिछले सीजन उनका प्रदर्शन भी

वैसा ही रहा था। सूर्यवंशी ने पहले सीजन में ही शतक जमा दिया था।

IPL टीमें हमेशा अगले 10-15 वर्षों के लिए एक भारतीय कोर खिलाड़ी की तलाश में रहती हैं। इतनी कम उम्र में इतना विस्फोटक प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी दुर्लभ हैं। टीमें उन्हें भविष्य के लिए एक 'फ्रेंचाइजी प्लेयर' के तौर पर देखती हैं। सूर्यवंशी उम्र अभी 14 साल है और स्ट्राइक रेट भी आग उगलने वाला है।

किन टीमों में होती टक्कर

सूर्यवंशी को खरीदने की होड़ अभी के हिसाब से 2 टीमों में रहती। केकेआर को एक तूफानी ओपनर चाहिए। उनके पर्स में पैसे भी काफी हैं। दूसरी टीम चेन्नई सुपर किंग्स हो सकती थी, जो सूर्यवंशी के लिए बोली लगाती। दोनों टीमें सूर्यवंशी के लिए 10 करोड़ से ज्यादा बोली लगाने के लिए जाने के बारे में पक्का सोचती।

पिछले सीजन कैसा था वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी का IPL 2025 सीजन राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए बेहद विस्फोटक रहा था। उन्होंने सिर्फ 7 मैचों में 252 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 36.00 और असाधारण स्ट्राइक रेट 206.55 रहा। इस सीजन का मुख्य आकर्षण गुजरात टाइटंस के खिलाफ उनका तूफानी शतक था, जहाँ उन्होंने मात्र 35 गेंदों पर IPL इतिहास का सबसे तेज भारतीय शतक जड़ा। 14 साल की उम्र में IPL में डेब्यू करके वह लीग के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। उनके इस प्रदर्शन के लिए उन्हें सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन का अवॉर्ड भी मिला।

दो दिवसीय अखिल भारतीय विराट दंगल का उदघाटन पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा ने किया

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। ग्राम शहाबपुर स्थित कमल पैलेस में बुधवार से शुरू हुई दो दिवसीय अखिल भारतीय विराट दंगल का उदघाटन पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा एव हनुमानगढी अयोध्या से आये महन्त श्री श्री 1008 पूज्य बलरामदास जी महराज प्रदीप यादव विंद्रा स्वीट ने पहलवानों से हाथ मिलवाकर किया।

उदघाटन पश्चात उपस्थित लोगों से रुबरु होते हुए पूर्व कारागार मंत्री राकेश वर्मा ने कहा कि कुश्ती हमारे देश की पुरानी परंपरा है तथा भारतीय संस्क्रति से जुड़ी हुई है।पहलवानी का सम्बंध स्वास्थ्य से भी जुड़ा होता है और पहलवानी के लिए कठिन परिश्रम भी करना पड़ता है।

पूर्व विधान परिसद सदस्य राजेश यादव राजू ने पहलवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि हार के बाद ही जीत है ।कुश्ती में हारने वाले पहलवान निराश न हो बल्कि नयी तैयारी के साथ कुश्ती लड़े।जीत निश्चित मिलेगी। महन्त बलरामदास महराज ने कहा कि पहलवानी ग्रमीणों की शान है गांव के लोगो का आज भी सबसे ज्यादा प्रिय खेल है। तथा निरन्तर अभ्यास करते रहना चाहिए।

राष्ट्रीय स्तर के दंगल कुश्ती प्रतियोगिता मे रेफरी गुड्डू गौरखपुर उत्तराखंड के कालू पहलवान की निगरानी में प्रथम कुश्ती जम्मू कश्मीर के पहलवान भूरा एव राजस्थान के पहलवान बादल के बीच हुई जिसमें भूरा ने बादल को पटखनी दी। मेरठ के पहलवान मो0 मोहसिन व रुड़की के फौजी के बीच हुई जिसमें कुश्ती बराबर रही। नेपाल के लकी थापा व राजस्थान के बिल्ला के बीच कुश्ती हुई जिसमें लकी थापा ने फिर अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। पंजाब के पहलवान प्रवेश व रोहतक के पहलवान फौजी के बींच हुई जिसमे पहलवान प्रवेश ने फौजी को पटकनी दी । पंजाब के जग्गा सरदार व हनुमानगढी अयोध्या के बाबा लाड़ी के बींच हुई जिसमे बाबा लाड़ी ने जग्गा सरदार को चित कर दिया।

अंतिम कुश्ती नेपाल के लकी थापा व राजस्थान के ठाकुर जल्लाद सिंह के बींच हुई जिसमे दोनो पहलवान बराबरी पर रहे इसी तरह हरियाणा के सोनू व जम्मू कश्मीर के भूरा की कुश्ती बराबर पर रही।

दंगल के प्रथम दिन आस पास के गाँवो की उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की निगरानी में कुश्तियां आयोजित हुई। इस मौके पर दंगल आयोजक शौरभदास महराज अयोध्या, मनीष सिंह , विकास यादव, कमल जयसवाल, तुषार जयसवाल, शशि भुर्जी, शौरभ मौर्य, आयुष भट्ट, ज्ववाद खान सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे।

धोखाधड़ी के आरोप में पूर्व आईपीएस अफसर चढ़े पुलिस के हत्थे

ट्रेन की बोगी में गहरी नींद में सोते समय लखनऊ पुलिस ने दबोचा, पहुंचे सलाखों के पीछे

(जीएनएस)।

लखनऊ। सूबे में आईपीएस लाबी में उस समय अचानक हड़कंप मच गया जब पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर को मंगलवार देर रात लखनऊ पुलिस ने शाहजहांपुर जिले रेलवे स्टेशन पर दनदनाती हुई चलती ट्रेन से धरदबोचा। राजधानी लखनऊ पुलिस को सर्विलांस की मदद से उनकी लोकेशन रेल गाड़ी में सफर करने की मिली थी। बताया जा रहा है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी लखनऊ से नई दिल्ली के लिए जा रहे थे। वह ट्रेन की बोगी में गहरी नींद में सो रहे थे कि आधी रात करीब बारह बजे उनके पास लखनऊ पुलिस बड़े ही नाटकीय ढंग से पहुंची और कहा चलिए तो वह एक बार फिर पुराने तरीके अपनाते हुए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए, लेकिन अबकी बार उनकी एक भी नहीं चली। किसी समय जो पुलिस वाले सलाम ठोकने में पीछे नहीं रहते वही खाकी वर्दी वाले शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर घसीटते हुए ट्रेन से नीचे उतार लिया। बताया जा रहा है कि देवरिया जिले में जमीन के नाम पर दर्ज धोखाधड़ी के मुकदमे में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उन्हें लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उनकी ट्रेन मंगलवार को आधी रात को शाहजहांपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जैसे ही ट्रेन रूकी कि पुलिस फोर्स ने चारों तरफ से घेरेबंदी कर ली। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर उस समय अपने कोच में सो रहे थे। पुलिस उनके बर्थ के पास पहुंची और उठाने के बाद नीचे उतार लिया। वहीं अचानक हुई गिरफ्तारी से स्टेशन यात्रियों में हड़कंप मच गया। बताते चलें कि राजधानी लखनऊ में भी पूर्व आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर के खिलाफ तालकटोरा थाने में भी धोखाधड़ी सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है। बताया जा रहा है कि उनकी गिरफ्तारी की इंस्पेक्टर तालकटोरा कुलदीप कुमार दुबे ने बुधवार सुबह फोन कर उनकी पत्नी नूतन ठाकुर को दी। इसके बाद सोशल मीडिया पर अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी की जानकारी वायरल हो गई। लखनऊ के पुलिस उपायुक्त पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक अमिताभ ठाकुर जब देविरया में एसपी थे। उस समय उन्होंने कोई जमीन ली थी। उस मामले में उनके खिलाफ वहां धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था। जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया था। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। मंगलवार रात वह लखनऊ से दिल्ली जा रहे थे। इसकी सूचना पर एसआईटी और तालकटोरा पुलिस टीम को उनकी लोकेशन के आधार पर सीतापुर-शाहजहांपुर सीमा पर पहुंची। वहां उन्हें ट्रेन से दबोच कर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें लखनऊ लाने के बाद पुलिस अब जनपद देवरिया भेजने की तैयारी कर रही है। जबरन सेवानिवृत्त हुए आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर पुलिस से बचने के लिए कई पैंतरा अपनाया लेकिन अबकी बार उनकी मुश्किलें इस कदर बढ़ी कि अब वह सलाखों के पीछे पहुंच गए।

ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को एक और बड़ी सौगात

देश की पहली वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना के तृतीय इकाई का केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने किया वर्चुवली उदघाटन

(जीएनएस)।

लखनऊ। देश की पहली वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना-1000 मेगावाट टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट की तृतीय यूनिट का वाणिज्यिक संचालन आज केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर एवं उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा की वर्चुअल उपस्थिति में विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में एक नई क्षमता प्राप्त हुई है, जो राज्य के विकास और उपभोक्ताओं को सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में सहायक होगी टिहरी पीएसपी देश की प्रथम वेरिएबल स्पीड तकनीक वाली पंप स्टोरेज परियोजना है, जो ऑफ-पीक घंटों में अतिरिक्त बिजली को स्टोर करके ग्रिड को 1000 मेगावाट तक की पीकिंग पावर उपलब्ध कराएगी। परियोजना की चार इकाइयों में से प्रथम दो पहले ही सफलतापूर्वक वाणिज्यिक उत्पादन कर रही हैं, जबकि तृतीय इकाई के संचालन से परियोजना की क्षमता और अधिक मजबूत हुई है। वेरिएबल स्पीड पीएसपी तकनीक की सहायता से बिजली की मांग के अनुरूप ऊर्जा का रियल टाइम स्टोरेज एवं रिलीज संभव हो सकेगा। इससे राष्ट्रीय ग्रिड पर लोड मैनेजमेंट और अधिक सुदृढ़ होगा और नवीकरणीय ऊर्जा को बिना किसी रूकावट के ग्रिड से जोड़ा जा सकेगा। ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह अवसर पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत तेज गति से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है, और टिहरी परियोजना इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। श्री शर्मा ने बताया कि तृतीय इकाई के उत्पादन से 25 प्रतिशत विद्युत उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जिससे राज्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि परियोजना की चौथी इकाई का उद्घाटन भी आगामी महीनों में संपन्न हो जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि यदि इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार की किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हुई तो राज्य पूर्ण रूप से तत्पर रहेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य ऊर्जा मंत्री श्रीपाद नाइक, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा) नरेंद्र भूषण, सचिव विद्युत मंत्रालय भारत सरकार पंकज अग्रवाल सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

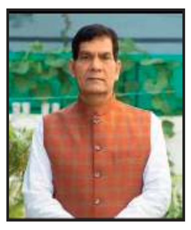

भानू यूनियन की मासिक पंचायत में अवैध प्लॉटिंग व खनन पर घेराव एसडीएम को ज्ञापन - पूरनपुर व कलीनगर में भूमाफियाओं पर कार्रवाई की मांग

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 10 दिसंबर भारतीय किसान यूनियन भानू की मासिक पंचायत तहसील परिसर में रविवार को संपन्न हुई, जहां ग्रामीणों व किसानों के मुद्दों पर जोरदार चर्चा हुई। बड़ी संख्या में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिसमें अवैध प्लॉटिंग व खनन प्रमुख रहे। संगठन ने उपजिलाधिकारी (रऊट) पूरनपुर को ज्ञापन सौंपा, जिसमें भूमाफियाओं की कार्रवाई की मांग की गई। तहसीलदार भी मौजूद रहे।

पंचायत का विवरण:

पंचायत में कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग, तालाबों व सरकारी जमीन पर कब्जे व रातोंरात खनन के खिलाफ आवाज उठी। यूनियन ने कहा कि पूरनपुर व कलीनगर क्षेत्र में ये गतिविधियां खेती बर्बाद कर रही। रऊट ने पूर्व ज्ञापनों पर नोटिस जारी होने की जानकारी दी व आगे कार्रवाई का आश्वासन दिया। सभी समस्याओं को सुनकर आवश्यक निर्देश देने का वादा किया। शारदा पार से तहसील तक महिलाओं व कार्यकताओं का जोरदार जुलूस निकला।

प्रमुख प्रतिभागी:

तहसील महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनजीत कौर, मंडल अध्यक्ष लाल मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता, तहसील मीडिया प्रभारी सबलू खान, पत्रकार संगठन से मीनू बरकाती, अवधेश पांडे, गुरु प्रसाद, जीशान व दीपू शुक्ला सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। बिजली समस्याओं पर रऊड पूरनपुर ने ठेकेदार को फोन कर खराब केबल ज्वाइंट ठीक करने के निर्देश दिए।

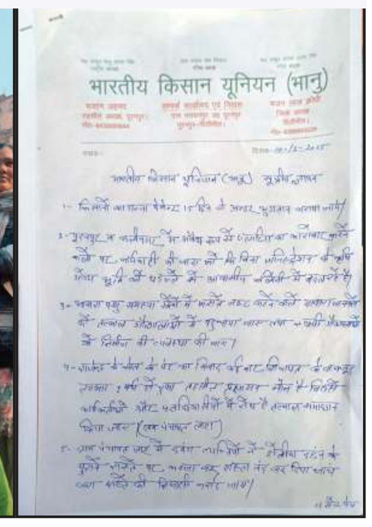

प्रभाव:

पंचायत से किसानों में उत्साह, भूमि संरक्षण पर जोर।

यूपी में 25 दिसंबर तक बढ़ेगी एसआईआर की डेडलाइन, 14 दिनों में ये 12 दस्तावेज बचाएंगे आपका वोट

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) अभियान को मिली राहत! मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने भारत निर्वाचन आयोग से 14 दिन का अतिरिक्त समय मांगा है, ताकि 2.91 करोड़ संदिग्ध वोटरों की जांच पूरी हो सके। अगर सब ठीक रहा, तो डेडलाइन 25 दिसंबर तक बढ़ जाएगी। ये एक्सटेंशन मतदाताओं के लिए वरदान साबित होगी, क्योंकि अभी तक 99.14% डिजिटाइजेशन पूरा हो चुका है, लेकिन लाखों फॉर्म जमा नहीं हुए।

रक्फ़ का मकसद वोटर लिस्ट को साफ-सुथरा बनाना है। नए वोटर जुड़ें, पुराने नाम सही हों। आइए, इस अपडेट, संभावित कटौती और 12 जरूरी दस्तावेजों को समझते हैं। ये प्रक्रिया न सिर्फ लोकतंत्र को मजबूत करेगी, बल्कि हर योग्य मतदाता को वोट का हक दिलाएगी।

14 दिन का ग्रेस पीरियड, क्यों जरूरी था ये कदम?

उत्तर प्रदेश में रक्फ़ अभियान 4 नवंबर 2025 से चल रहा है, जो मूल रूप से 11 दिसंबर तक था। लेकिन उएड नवदीप रिणवा ने 25 दिसंबर तक का समय मांगा है। सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है- आज या कल आदेश जारी हो सकता है। पहले 1 दिसंबर को आयोग ने 7 दिन का एक्सटेंशन दिया था, लेकिन यूपी की विशाल आबादी (15.44 करोड़ वोटर) और जटिलताओं को देखते हुए 14 दिन और बढ़ाना जरूरी था।

नई टाइमलाइन (संभावित):

एन्यूमरेशन पीरियड (फॉर्म जमा): मूल 11 दिसंबर से बढ़कर 25 दिसंबर 2025।

ड्राफ्ट रोल पब्लिकेशन: 16 दिसंबर से 30 दिसंबर तक (शिफ्ट)।

क्लेम्स एंड ऑब्जेक्शंस: 16 दिसंबर 2025 से 7 फरवरी 2026।

फाइनल रोल पब्लिकेशन: 14 फरवरी 2026।

रिणवा ने कहा, '99% काम पूरा हो चुका है। बाकी 5 कैटेगरी के फॉर्म (मृत, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, अनुपस्थित, सिग्नेचर न मिले) जमा करने का मौका मिलेगा।' ये एक्सटेंशन बीएलओज़ (बूथ लेवल ऑफिसर्स) को राहत देगा, जो पहले स्ट्रेस में थे। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इसे 'मतदाताओं के लिए आसानी' बताया।

2.91 करोड़ वोटरों पर नजर: नाम कटने का खतरा, कैसे बचेगा आपका वोट?

यूपी की वोटर लिस्ट में 15.44 करोड़ नाम हैं, जिनमें से 12.40 करोड़ (99.14%) डिजिटाइज हो चुके। लेकिन 2.91 करोड़ संदिग्ध नाम कट सकते हैं। ये लिस्ट राजनीतिक दलों के इछअ (बूथ लेवल एजेंट्स) को भेजी जाएगी और जिला वेबसाइट्स पर अपलोड होगी। अगर आपका नाम इसमें है, तो फॉर्म भरकर अपील करें- नाम जुड़ जाएगा।

ब्रेकडाउन (2.91 करोड़ में):

मृत वोटर: 46 लाख- जिनकी मौत हो चुकी, लेकिन नाम लिस्ट में।

शिफ्टेड: 1.27 करोड़- स्थायी रूप से दूसरे जगह चले गए।

डुप्लीकेट: 23.70 लाख- एक ही व्यक्ति के दो नाम।

अनुपस्थित: 84.73 लाख- इछड को घर पर नहीं मिले।

अन्य (सिग्नेचर न मिले): 9.57 लाख- फॉर्म पर हस्ताक्षर न होने से।

रिणवा ने जोर दिया, 'ये नाम कटना फाइनल नहीं। अपील पर जुड़ सकते हैं।' ड्राफ्ट लिस्ट आने पर चेक करें- NVSP पोर्टल या वोटर हेल्पलाइन ऐप से।

क्या है एसआईआर? प्रक्रिया और मकसद- लोकतंत्र की मजबूती का सफर

SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) चुनाव आयोग की पहल है, जो वोटर लिस्ट को अपडेट रखती है। 1951 से 2004 तक नियमित होती थी, लेकिन 21 सालों से पेंडिंग। अब 12 राज्यों (यूपी सहित) में चल रही, जहां 51 करोड़ वोटर प्रभावित।

मकसद:

नए 18+ वोटर जोड़ना।

मृत/शिफ्टेड नाम हटाना।

डुप्लीकेट/गलतियां सुधारना।

विदेशी/अयोग्य नाम साफ करना।

SIR कैसे होता है?: BLO घर-घर जाकर फॉर्म 4 भरवाते। राजनीतिक दलों के इछअ वेरिफाई करते। पहले बिहार में हुआ- 7.42 करोड़ फाइनल वोटर बने। यूपी में 5.33 लाख BLO और 7 लाख BLA लगे।

वोटर को क्या करना?: BLO/BLA से फॉर्म लें, डिटेल्स मैच करें। दो जगह नाम हैं, तो एक से कटवाएं। नाम न हो तो, फॉर्म 6 भरें। ऑनलाइन: NVSP.gov.in या वोटर हेल्पलाइन ऐप।

12 दस्तावेज जो बचाएंगे आपका वोट, पहचान साबित करने के लिए ये काफी

रक्फ़ में वोटर वेरिफिकेशन के लिए 12 दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना जरूरी। ये सरल हैं, घर में ही मिल जाएंगे।

पासपोर्ट।

वन अधिकार प्रमाणपत्र।

सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र।

आधार कार्ड।

मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन/शैक्षणिक प्रमाणपत्र।

सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाणपत्र।

1 जुलाई 1987 से पहले भारत सरकार/स्थानीय प्राधिकरण/बैंक/डाकघर/ LIC/PSU द्वारा जारी कोई भी पहचान पत्र/प्रमाणपत्र/दस्तावेज।

सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी OBC/SC/ST या कोई जाति प्रमाणपत्र।

राष्ट्रीय नागरिक पंजी (जहां लागू हो)।

केंद्र/राज्य सरकार या ढरव के नियमित कर्मचारी/पेंशनभोगी को जारी पहचान पत्र / पेंशन भुगतान आदेश।

सरकार द्वारा जारी कोई भूमि/घर आवंटन प्रमाण पत्र।

राज्य/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर।

Tips: आधार सबसे आसान है, लेकिन अगर न हो तो अन्य दिखाएं। फॉर्म भरते समय फोटो, सिग्नेचर और डिटेल्स मैच करें।

SIR का फायदा: पारदर्शी वोटिंग, मजबूत लोकतंत्र- हर वोट गिनती में आएगा, SIR से वोटर लिस्ट सटीक बनेगी, जिससे चुनाव निष्पक्ष होंगे। यूपी जैसे बड़े राज्य में ये अभियान 2026 विधानसभा चुनावों के लिए क्रांतिकारी साबित होगा। विपक्ष ने पहले जल्दबाजी का आरोप लगाया, लेकिन एक्सटेंशन से सबको फायदा। उएड रिणवा ने अपील की, 'मतदाता सक्रिय रहें- अपना वोट सुरक्षित रखें।' ये प्रक्रिया न सिर्फ नाम जोड़-हटाएगी, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत बनाएगी। क्या आपने अपना रक्फ़ फॉर्म चेक किया? कमेंट्स में बताएं। अपडेट्स के लिए बने रहें।

नाविकों की समस्याओं को लेकर जनसभा संगम क्षेत्र में

(जीएनएस)।

त्रिवेणी संगम प्रयागराज 10/12/2025 को जिला नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद की अध्यक्षता में पक्का घाट किला संगम क्षेत्र पर जनसभा की गई। सभा में आए हुए सैकड़ों नाविकों ने अपनी अपनी समस्याएं बताई जिसमें नाविकों को निःशुल्क लाइफ जैकेट दिया जाए, नाव का किराया दुगुना किया जाए,पर्व के दिन सभी नाव घाट को खुला रहना चाहिए। प्राइवेट मोटर बोट पर प्रतिबंध होना चाहिए, कोई नाविक शराब पीकर नाव चलाने नहीं जाय, नाव पर कोई यात्री सेल्फी नहीं लेगा,सभी नाविक अपना अपना आईडी कार्ड नाविक संघ से अवश्य बनवाए, सभी नाविक लाइफ जैकेट पहनकर नाव अवश्य चलाए, सभी नाविक अपने निर्धारित क्षमता के तहत नाव पर यात्रियों को बैठाकर नाव चलाए, कुशल निषाद गोताखोरों की भर्ती शासन और प्रशासन अवश्य कराए, नाविकों को नाव चलाने के लिए एक पेटी बनाया जाय जिससे यात्रियों को चढ़ाने और उतारने में कोई समस्या न हो।

सभा में अशोक निषाद,मगन निषाद, बिक्कू निषाद,दिलीप,महेंद्र,ननका, संजीव, अशोक शास्त्री,प्रकाश पहलवान आदि सैकड़ों निषाद नाविक उपस्थित रहे।

लड़की बहिन योजना की महिलाओं को क्या मिलेंगे 2100 रुपये? एकनाथ शिंदे ने दिया बड़ा अपडेट

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बने एक साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में बार-बार सवाल उठ रहा है कि चुनाव के समय सरकार ने जो मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना की लाभार्थी महिलाओं से जो चुनावी वादा किया था उसे कब पूरा करेगी?

याद रहे महाराष्ट्र में इससे पहले एकनाथ शिंदे के प्रतिनिधित्व वाली महायुति सरकार थी जिसने चुनाव के समय वादा किया था कि दोबारा सरकार आने पर लड़की बहिन योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह दी जाने वाली 1500 रुपये की धनराशि को बढ़ाकर 2100 रुपये कर दिया जाएगा।

ये ही वो योजना थी जिसे पिछली शिंदे सरकार ने चुनाव से चंद महीने पहले शुरू किया था और इसने महायुति में शामिल भाजपा, शिवसेना, एनसीपी को बंपर वोट दिलवाए और प्रंचड़ बहुमत की महाराष्ट्र में फिर महायुति गठबंधन की सरकार बनी। एक साल बाद महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये देने का वादे पर अब सरकार ने चुप्पी तोड़ दी है। महराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने योजना की किस्त की धनराशि प्रतिमाह 2100 रुपये किए जाने को लेकर बयान दिया है।

लड़की बहिन योजना को लेकर सत्र में जमकर हुआ हंगामा

दरअसल, नागपुर में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन महाराष्ट्र सरकार की 'मुख्यमंत्री लड़की बहिन योजना' को लेकर जमकर हंगामा हुआ। योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने सदन का बहिष्कार किया। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि इस योजना में ₹5,136 करोड़ का घोटाला हुआ है। इस मामले में श्वेत-पत्र जारी करने की मांग करते हुए दावा किया कि पुरुष, सरकारी कर्मचारी और अन्य अपात्र लोगों ने भी इस योजना का अनुचित लाभ उठाया है।

मंत्री ने आरोपों का दिया जवाब

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने आरोपों का जवाब देते हुए बायता कि अपात्र लाभार्थियों से मानदेय की वसूली दो महीने के भीतर पूरी कर ली जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई भी होगी। उन्होंने बताया कि अब तक पौने दो करोड़ महिलाओं ने योजना के लिए ई-केवाईसी पूरी कर ली है, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर है।

लड़की बहिन योजना की महिलाओं को क्या मिलेंगे 2100 रुपये?

इसी गरमागरम बहस को लेकर लड़की बहिन योजना के तहत किए गए 2100 रुपये देने के वादे पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदन को आश्वस्त किया कि योजना के तहत मासिक मानदेय को ₹2,100 करने पर सही समय पर निर्णय लिया जाएगा, और यह योजना कभी बंद नहीं होगी।

शिंदे बोले- तो आपने ऐसी योजना क्यों नहीं शुरू की?

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार सही समय पर मानदेय बढ़ाने का फैसला लेगी। उन्होंने विपक्षी दलों पर पलटवार करते हुए टिप्पणी की, "जब आपकी सरकार थी, तो आपने ऐसी योजना क्यों नहीं शुरू की? इसके लिए साहस, हिम्मत और कल्याण के भाव की जरूरत होती है।"

अपात्रों से वसूली जा रही रकम

वहीं विपक्ष के आरोपों का मंत्री तटकरे ने जवाब देते हुए बताया कि सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदान की गई 26 लाख लाभार्थियों की सूची में से 22 लाख पात्र पाए गए हैं, जबकि 4 लाख की पुनः जाँच की जाएगी। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि आठ हजार सरकारी कर्मचारियों ने भी योजना का लाभ उठाया है, जो नियमों के अनुसार अपात्र हैं। उनसे राशि वसूलने का काम जारी है।